Title: Need to provide funds to the State Government of U.P. for development of tourist and archaeological places in Jalaun Parliamentary Constituency.-Laid

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन): महोदय, हमारा संसदीय क्षेत्र तीन तरफ से बेतवा, पहूज एवं यमुना नदियों से घिरा हुआ है। इन नदियों से घिरे इस क्षेत्र की पावन भूमि ऋषि और महाऋषियों की तपोभूमि रही है। इस क्षेत्र के निम्न स्थल पर्यटन एवं पुरातत्वों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं जिनका रख-रखाव एवं विकास किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

१. सैदनगर (एट) में मां असरादेवी का मंदिर।

२. जगम्मपुर (पचनदा) का विकास।

३. कोंच में दोहर का महावीर जी का मंदिर।

४. महेशपुरा ग्राम में महर्षि राहुल सांस्कृत्यायन की तपोभूमि।

५. कालपी में महर्षि वेदव्यास की तपोभूमि जो यमुना नदी के किनारे पर है।

६. गरौठा में धेसान नदी के बीचों-बीच महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि एवं लखेरी नदी के किनारे मां गिद्दवासिनी का मंदिर।

७. एट में मां शारदा (बैरागढ़) का मंदिर तथा मां रक्तदंता का मंदिर।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि उपरोक्त स्थलों के रख-रखाव एवं उन्नयन हेतु समुचित धन की व्यवस्था करने का कष्ट करें।